

शारद ..... मेरी- आरध ..... मेरी  
पार करो नैया शारद मेरी ॥२॥

सीढ़ियाँ जो ऊँची- ऊँची हैं तेरी महारानी  
हम बालक नादान हैं माता दूर करो नादानी  
शारद मेरी-----

कंचन थाल कलश ले आये देखो बालक तेरे  
तुझमें शक्ति महान शारदे आया द्वारे तेरे  
शारद मेरी-----

पान, सुपारी ध्वजा नारियल भेंट तेरी हम लाये  
बड़े भाग से सबने माता, तेरे दर्शन पाये  
शारद मेरी-----

हैं "श्री बाबा श्री" नादान शारदे सुन लो अरज हमारी  
जग को बाँट दिया है माता, आज फसी मेरी बारी  
शारद मेरी-----